तू मोटी जगदम्बा मारी तू मोटी जगदम्बा माँ

तू मोटी जगदम्बा मारी,
तू मोटी जगदम्बा माँ,
ओ जग छलीया अनक जग छलीया,
है झगड़ा से न्यारी माँ,
तू मोटी जगदम्बा मारी।bd।

अरे सतयुग में माँ अमिया केवाई,
शिव शंकर घर नारी ओ,
देव दानव ने दोई लडाया,
है झगड़ा से न्यारी माँ,
तू मोटी जगदम्बा मारी।bd।

अरे त्रेतायुग मे सीता केवाई,
रामचंद्र घर नारी माँ,
राम रावण ने दोई लडाया,
है झगड़ा से न्यारी माँ,
तू मोटी जगदम्बा मारी।bd।

अरे द्वापरयुग में बनी द्रोपदा,
पांडवों घर नारी माँ,
कैरव पांडव ने दोई लडाया,
है झगड़ा से न्यारी माँ,
तू मोटी जगदम्बा मारी।bd।

अरे कलयुग मे मां बनी कालका,
कालंका घर नारी माँ,
अरे शंकर टांक जगदम्बा रे शरने,
माताजी महीमा गाई माँ,
है झगड़ा से न्यारी माँ,
तू मोटी जगदम्बा मारी।bd।

तू मोटी जगदम्बा मारी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तू मोटी जगदम्बा माँ,
ओ जग छलीया अनक जग छलीया,
है झगड़ा से न्यारी माँ,
तू मोटी जगदम्बा मारी।bd।

गायक – शंकर टांक।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com